बीवी के हुकूक

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

1] अमर बिन अहवस जुशमी रदी फरमाते है कि मेने रसूलुल्लाहﷺ को हज्जतुल विदा में फरमाते सुना, पहले आपने हम्द व सना फरमाई फिर और बातों की नसीहतें की फिर फरमाया ए लोगो सुनो औरतों के साथ अच्छा व्यवहार करना इसलिये कि वो तुम्हारे पास कैदी की तरह है, उनके साथ सख्ती सिर्फ उस शक्ल में की जा सकती है जबकी उनकी तरफ से खुली हुई नाफरमानी जाहिर हो.

तो अगर वो ऐसा करे तो उनसे उनकी ख्वाबगाहो (bedroom) में संबंध तोड लो और उनको इतना मार सकते हो जो जख्मी करने वाली ना हो फिर अगर वो तुम्हारा कहना माने तो उनको सताने के लिए रास्ता मत ढूंढो. सुनो कुछ हुकूक तुम्हारी बिवीयों के तुम पर है, और कुछ तुम्हारे हुकूक उन पर है, तुम्हारा हुकूक उनके उपर येहे कि तुम्हारे

फर्श को ऐसे लोगों से ना रौंदवाये जिन को तुम नापसन्द करते हो, और तुम्हारे घरों में ऐसे लोगों को आने की इजाज़त ना दें जिन को तुम नापसन्द करते हो, और उनका हुकूक तुम पर येहे कि तुम उनको ठीक से खाना और कपडा दो.
_तिरमेज़ी की रिवायत का खुलासा.

2] हकीम बिन मुआविया अपने बाप मुआविया से रिवायत करते है, कि मेने रसूलुल्लाहﷺ से पूछा कि शौहर का बीवी पर क्या हुकूक है? रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया उसका हुकूक येहे कि जब तू खाए तो उसे खिलाए और जब तू पहने तो उसे पहनाए और उसके चेहरे पर ना मारे और उसको बददुआ के अल्फाज़ ना कहे, और अगर उससे संबंध तोडे तो सिर्फ घर में तोडे.
यानी जैसा तुम खावो वैसा ही अपनी बीवी को खिलावो, और जिस मेयार के कपडे तुम पहनो उसी मेयार का कपडा उसे दो. आखिरी शब्द का मतलब येहे कि अगर बीवी की तरफ से नाफरमानी और शरारत जाहिर हो तो कुरान की हिदायत के

मुताबिक पहले उसको नरमी से समझाए, अगर उससे भी वो ठीक ना हो तो घर में अपना बिस्तर अलग करे और बात बाहर ना पहुंचने दे क्योकि ए शराफत के खिलाफ है, इससे भी अगर ठीक ना हो तो फिर उसको मारा जा सकता है लेकिन चेहरे पर नहीं बल्की जिस्म के दूसरे हिस्से पर, और उसमे भी हिदायत है कि हड्डी को तोड देने वाली या जख्मी कर देने वाली मार ना मारी जाए.

_अबू दाउद की रिवायत का खुलासा.

3] लकीत बिन सबरा रदी फरमाते है कि मेने रसूलुल्लाहﷺ से कहा कि मेरी बीवी बदजुबान है तो आपने फरमाया उसे तलाक दे दो मेने कहा कि उससे मेरे बच्चे है, सालों से हम दोनो साथ रहते है, तो आपﷺ ने फरमाया उसे नसीहत करो अगर उसके, अन्दर भलाई को स्वीकार करने की योग्यता होगी तो वो तुम्हारी बात मान लेगी, और खबरदार अपनी बीवी को इस तरह ना मारना जैसे तू अपनी लौंडी को मारता है.

इस रिवायत के आखिरी टुकडे का ए मतलब नहीं है कि लौंडियों को खूब पीटो और बिवीयों को ना पीटो, बल्की मतलब येहे कि जिस तरह लोग अपनी लौडियों के साथ पेश आते है उस तरह का मामला बीवी के साथ ना होना चाहिये.

_अबू दाउद की रिवायत का खुलासा.

4] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया ए लोगो अल्लाह की बंदीयो (यानी अपनी बिवीयों) को मत मारो, उसके बाद हजरत उमर रदी रसूलुल्लाहﷺ के पास आए और कहा कि आपﷺ की इस हिदायत की वजह से पतिओ ने मारना छोड दिया तो औरतें अपने पतिओ के सिर चढ गई और दिलेर हो गई तो आपﷺ ने उनको मारने की इजाज़त दे दी.

इसके बाद रसूलुल्लाहﷺ की बिवीयों के पास बहुत सी औरतें आई और उन्होने अपने पतिओ की मार पीट की शिकायत की तो आपﷺ ने फरमाया मेरी बिवीयों के पास बहुत सी औरतें अपने पतिओ की शिकायत ले कर आई ऐसे

लोग तुम्मे से बेहतर लोग नहीं है.
_अबू दाउद की रिवायत का खुलासा | रावी अयास बिन अब्दुल्लाह रदी.

5] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कि जब आदमी अपने घर वालों पर आखिरत में फल पाने की निय्यत से खर्च करता है तो ये उसके लिए सदका बनता है.
_बुखारी मुस्लीम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू मसउद बदरी रदी.

6] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कोई मोमिन शौहर अपनी मोमिन बीवी से नफरत ना करे, अगर उसकी एक आदत पसन्द नहीं आती तो दूसरी और आदतें पसन्द आएंगी. मतलब येहे कि बीवी अगर खूबसूरत नहीं है या किसी और तरह की कमी उसमे पाई जाती है तो उस वजह से तुरन्त उससे संबंध तोडने का फैसला ना करो.
एक औरत के अन्दर और किसी तरह की कोई कमी होती है तो उसके अन्दर बहुत सी ऐसी अच्छाईया भी होती है जिन की वजह से वो शौहर के दिल पर कब्ज़ा कर लेती है मगर जबकी उसको मौका दिया जाए और सिर्फ उसकी एक

कोताही की बिना पर हमेशा के लिए दिल में नफरत ना बिठा ली जाए.

_मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

7] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कि आदमी को गुनहगार करने के लिए ये बात काफी है कि वो उन लोगों को झाए करदे जिन को वो खिलाता है.

_अबू दाउद की रिवायत का खुलासा | रावीअब्दुल्लाह बिन उमर रदी.

8] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जब आदमी के पास दो बीवीयाँ हो और उसने उनके हुकूक में इन्साफ और बराबरी ना रखी हो तो कयामत के दिन इस हाल में आएंगा कि उसका आधा धड गिर गया होगा.

वो आधे धड के साथ इसलिये आएंगा कि जिस बीवी के हुकक उसने अदा नहीं किये वो उसीके जिस्म ही का हिस्सा तो थी, अपने जिस्म के आधे हिस्से को दुनिया में काट कर फेंक आया था फिर कयामत के दिन उसके पास पूरा जिस्म कहा से होगा.

_तिरमेज़ी की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.